.. shrISarasvatI Stotram by Indra ..

॥ श्रीसरस्वतीस्तोत्रं इन्द्रकृतम् ॥

Document Information

Text title : Indrarachitam sarasvatIstotram

File name : sarasvatIstotraIndrarachitam.itx

Location : doc_devii

Author : Indra

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : Usha Rani Sanka usharani.sanka at gmail.com

Proofread by : Usha Rani Sanka usharani.sanka at gmail.com

Description-comments : From a Telugu stotra book sarasvatIvaibhavam

Latest update : September 30, 2014

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : http://sanskritdocuments.org

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

August 2, 2016

sanskritdocuments.org

॥ श्रीसरस्वतीस्तोत्रं इन्द्रकृतम् ॥

भृङ्गनील-नीलाञ्जनालका, पद्मराग-गाङ्गेय-मौलिका ।
पूर्णचन्द्र-बिम्बोज्ज्वलानना, श्रीसरस्वती मे प्रसीदतु ॥ १॥

फुल्लनेत्र-पङ्केरुहान्विता, रत्नक्लृप्त-ताटङ्क-भूषिता ।
चम्पक-प्रसूनाभ-नासिका, श्रीसरस्वती मे प्रसीदतु ॥ २॥

दर्पण-प्रभा-गण्ड-मण्डला, पल्लवाधरा दन्त-कुड्मला ।
मन्दहासिनी कम्बु-कन्धरा, श्रीसरस्वती मे प्रसीदतु ॥ ३॥

दीर्घ-बाहुका चातिकोमला, रत्न-कञ्चुका पीवर-स्तना ।
स्वर्ण-मौक्तिका कर्ण-भूषणा, श्रीसरस्वती मे प्रसीदतु ॥ ४॥

मञ्जु-भाषणा चार्वलित्रयी, सुन्दरोदरा निम्ननाभिका ।
लम्बितोदराधार-मेखला, श्रीसरस्वती मे प्रसीदतु ॥ ५॥

सूक्ष्म-मध्यमा भूनितम्बिनी, रत्नदन्ति-तुण्डोरु-मण्डिता ।
ब्रह्मदण्ड-जानु-द्वयान्विता, श्रीसरस्वती मे प्रसीदतु ॥ ६॥

मारतूणि-काकार-जङ्घिका, रत्न-किङ्किणी पादनूपुरा ।
कूर्मपृष्ठ-देशाङ्घ्रि-पृष्ठका, श्रीसरस्वती मे प्रसीदतु ॥ ७॥

गूढगुल्फ-लावण्य-रञ्जिता, चन्द्रिकांशुका श्वेतवर्णिनी ।
बिन्दुवासिनी बैन्दव-प्रिया, श्रीसरस्वती मे प्रसीदतु ॥ ८॥

कालिका-रमा-पार्श्व-सेविता, वेदवेदिता भेदनाशिनी ।
निर्मलात्मिकाद्वैतरूपिणी, श्रीसरस्वती मे प्रसीदतु ॥ ९॥

वासरालया भूसुरार्चिता, गौतमी-नदी तीरवासिनी ।
ब्राह्मण-प्रियापार-वैभवा, श्रीसरस्वती मे प्रसीदतु ॥ १०॥

इन्द्रेणैवं कृतं स्तोत्रं ये पठन्त्यनिशं तु ते ।
सरस्वती-प्रसादेन प्रपद्यन्तेऽष्टसिद्धिकाः ॥

॥ इति श्री-इन्द्रकृत-सरस्वती-स्तोत्रं ॥

Encoded and proofread by Usha Rani Sanka usharani.sanka at gmail.com
From a Telugu stotra book sarasvatIvaibhavam

.. shrISarasvatI Stotram by Indra ..
was typeset on August 2, 2016

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*